प्राक्कथन

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (के.सां.सं.) ने 31 जनवरी, 2006 को राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी(एनएएस) की नई श्रृंखला रिलीज की है जिसका आधार वर्ष 1999-2000 है । यह श्रृंखला उस एनएएस श्रृंखला का स्थान लेगी जिसका आधार वर्ष 1993-94 था । अर्थव्यवस्था में घटित होने वाले संरचनात्मक परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए तथा सकल घरेलू उत्पाद(जीडीपी), उपभोग व्यय, बचत, पूंजी निर्माण आदि जैसे बृहत्त समाहारों द्वारा अर्थव्यवस्था की सही तस्वीर पेश करने के लिए राष्ट्रीय लेखों का आधार वर्ष समय-समय पर बदला जाता है ।

2. तत्पश्चात्, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन ने फरवरी, 2006 में "राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी पर नई श्रृंखला" नामक विवरणिका जारी की, जिसमें कवरेज, नए डाटा स्रोतों का प्रयोग और राष्ट्रीय लेखा प्रणाली, 1993 की कुछेक सिफारिशों के समावेश के संदर्भ में नई श्रृंखला में किए गए परिवर्तनों को शामिल किया गया था । विवरणिका में नई श्रृंखला पर आधारित बृहत्त-आर्थिक समाहारों के अनुमानों तथा पिछली एनएएस श्रृंखला (आधार वर्ष 1993-94) पर आधारित बृहत्त-आर्थिक समाहारों के बीच तुलना को भी शामिल किया गया था । साथ ही, दोनों सेटों में अंतर के कारण भी बताए गए थे ताकि प्रयोक्ता विभिन्न बृहत्त-आर्थिक समाहारों पर संशोधनों की सीमा तथा उनके प्रभाव को समझ सकें । इसके बाद, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन ने मार्च, 2006 में "राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी : स्रोत एवं पद्धतियां, 2007" नामक पुस्तक का भी प्रकाशन किया जिसमें आंकड़ा-स्रोतों और राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के संकलन में अपनाई गई कार्यप्रणाली का ब्यौरा दिया गया था ।

3. राष्ट्रीय लेखों की नई श्रृंखला शुरू करने के बाद, पूर्णता तथा तुलनीयता की दृष्टि से 1950-51 से 1998-99 की अवधि की राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी की पिछली श्रृंखलाओं के अनुमानों को जारी करना आवश्यक हो गया है । वर्तमान प्रकाशन, राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी की नई श्रृंखला (आधार वर्ष 1999-2000) के अनुसार, वर्ष 1950-51 से 1998-99 के घरेलू उत्पाद, उद्योग/मद स्तर पर पूंजी निर्माण तथा अन्य बृहत्त-आर्थिक समाहारों के विस्तृत अनुमान प्रस्तुत करती है । इस प्रकाशन से प्रयोक्ताओं के लाभ के लिए वर्ष 1950-51 के बाद से राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी की लगातार श्रृंखलाएं उपलब्ध होंगी ।

4. मैं यहां पर विशेष उल्लेख करना चाहूंगा कि इस प्रकाशन को प्रकाशित करने में श्री रमेश कोल्लि, अपर महानिदेशक के कुशल मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण के अधीन राष्ट्रीय लेखा प्रभाग, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने अथक प्रयास किया है और वे इसके लिए प्रशंसा के पात्र हैं । इसके अलावा, इस महत्वपूर्ण प्रकाशन को संकलित करने में डॉ.सविता शर्मा, उप महानिदेशक, श्रीमती अनिंदिता सिंहारे, उप निदेशक तथा श्री एस.के.मित्तल, सहायक निदेशक, राष्ट्रीय लेखा प्रभाग, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन का अविस्मरणीय योगदान रहा है ।

प्रणब सेन
भारत के मुख्य सांख्यिकीविद्
राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग

नई दिल्ली
मई, 2007